



॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—<http://www.facebook.com/groups/aryayouth/>

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली-110007, आई. एफ. एस.कोड - SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868051444 पर एस.एम.एस कर दें या 9971467978 पर Paytm कर दें।

— अनिल आर्य

वर्ष-37 अंक-11 कार्तिक-2076 दयानन्दाब्द 197 01 नवम्बर से 15 नवम्बर 2020 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.11.2020, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoo.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का 113 वां वेबिनार सौल्लास सम्पन्न

परिपक्वता, अनुभव व ज्ञान का भंडार है वृद्धावस्था—राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

वृद्धावस्था में सात्विक, हल्के आहार व व्यायाम आवश्यक—डॉ सुषमा आर्या (आयुर्वेदाचार्या, NDDY)

रविवार 1 नवम्बर 2020, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में वृद्धावस्था के रोग व उपचार विषय पर आर्य गोष्ठी गूगल मीट पर आयोजित की गई। यह कॅरोना काल में परिषद् का 113वां वेबिनार था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि जीवन का स्वर्णिम काल है वृद्धावस्था। यह एक ऐसी स्थिति है जब व्यक्ति सारा जीवन परिश्रम करने के बाद सहसा अपने जीवन की यात्रा को पूर्ण कर विश्राम के पल बिताता है साथ ही इसके कुछ अन्य परिणाम भी होते हैं जैसे दूसरों पर अवलम्बित एवं शरीर बल से क्षीण होने के कारण असमर्थ पाने लगता है। वृद्धावस्था में शरीर का ध्यान अधिक रखना पड़ता है। योग व्यायाम, प्राकृतिक जीवन शैली से विभिन्न प्रकार के अनचाहे रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है। यह परिपक्वता, ज्ञान व अनुभव का भंडार होता है जिससे समाज को लाभ व बुजुर्गों को सम्मान देना चाहिए, यही हमारी संस्कृति है। मुख्य वक्ता आयुर्वेदाचार्या डॉ सुषमा आर्या ने कहा कि वृद्धावस्था तक आते आते मानव शरीर थकने लगता है, शारीरिक क्रियाएं आयु के साथ साथ शरीर को शिथिल करने लगती हैं। जो झुर्रियों के रूप में स्पष्ट होने लगती हैं इस अवस्था में खान-पान का रखें विशेष ध्यान जीवन में आहार-विचार- संस्कार का विशेष महत्व होता है, इसलिए हमें वृद्धावस्था में सबसे पहले अपने आहार को सात्विक बनाना चाहिए। व्यायाम और योग का सहारा लें, सुबह की सैर जरूरी, नकारात्मक विचारों से दूर रहें, अकेलेपन को दूर करने के लिए परिवार से बात करें, संगीत सुने इन सभी उपाय से आप मानसिक व शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। साथ ही दैनिक दिनचर्या में हल्के व्यायाम व हल्के पाचक भोजन का भी ध्यान रखना आवश्यक है। घर में रहकर भी घर से दूर यानी बच्चों से टोकाटाकी बन्द कर दे वानप्रस्थ आश्रम का जीवन जिये तो सुखी जीवन व्यतीत होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए स्वदेशी फार्मसी हरिद्वार के निदेशक डॉ आर के आर्य ने कहा कि आयुर्वेद स्वस्थ रहने का आधार है, घर में रखी छोटी छोटी दवाइयां दैनिक जीवन में स्वस्थ रहने में सहायक होती हैं, आर्थिक परेशानी व डॉक्टरों के बिल से बचाव हो सकता है। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि योगाभ्यास से अंगों और मांसपेशियों को सर्वाधिक पोषण मिलता है, रक्त संचरण सुधरता है और विष कण तथा व्यर्थ पदार्थ शरीर से बाहर निकल जाते हैं। योग आसनो के खिंचाव चरण में शरीर के कोषों के मध्य मूल आधार पर हल्का दबाव पड़ता है। प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता ने कहा कि योग का नियमित अभ्यास वृद्धावस्था में मानव-शरीर को ओजस्वी, लचीला और स्वस्थ बनाये रखता है। परिवार में बच्चों को अपने वृद्ध जनों की सेवा सत्कार करना चाहिए और उनके साथ समय व्यतीत करना चाहिए। युवा गायिका दीप्ति सपरा, बिन्दु मदान, रविन्द्र गुप्ता, प्रतिभा सपरा, जनक अरोड़ा, उर्मिला आर्या, पुष्पा चुघ आदि ने गीतों के माध्यम से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रमुख रूप से आनन्द प्रकाश आर्य, देवेन्द्र गुप्ता, डॉ अनुराधा आनन्द, मधु खेड़ा, प्रेम सबरवाल, सुरेश आर्य, यज्ञवीर चौहान, सुरेन्द्र शास्त्री, राजश्री यादव आदि उपस्थित थे।



145 वी सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती सौल्लास सम्पन्न

अखण्ड भारत की संरचना सरदार पटेल ने की—राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

निर्भीकता व निर्णायकता के पर्याय थे सरदार पटेल—डॉ आनन्द कुमार (पूर्व पुलिस महानिदेशक)

शनिवार 31 अक्टूबर 2020, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 145 वी सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती पर आर्य गोष्ठी का आयोजन गूगल मीट पर किया गया। उल्लेखनीय है कि सरदार पटेल का जन्म गुजरात के नाडियाड में 31 अक्टूबर, 1875 को हुआ था। संगठित भारत को बनाने में आपकी विशेष भूमिका मानी जाती है। सरदार पटेल को भारत की 565 रियासतों का विलय करके अखंड भारत के निर्माण के लिए याद किया जाता है। यह कॅरोना काल में परिषद् का 112 वां वेबिनार था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि सरदार पटेल स्पष्ट एवं निर्भीक वक्ता थे। स्वतन्त्रता के बाद उन्हें उपप्रधानमंत्री तथा गृहमंत्री बनाया गया। गृहमंत्री होने के कारण रजवाड़ों के भारत में विलय का विषय उनके पास था। सभी रियासतें स्वेच्छा से भारत में विलीन हो गयीं पर जम्मू-कश्मीर, जूनागढ़ तथा हैदराबाद ने टेढ़ा रुख दिखाया। सरदार की प्रेरणा से जूनागढ़ में जन विद्रोह हुआ और वह भारत में मिल गयी। हैदराबाद पर पुलिस कार्यवाही कर उसे भारत में मिला लिया गया। यदि सरदार पटेल न होते तो हिंदुस्तान का वर्तमान रूप ऐसा न होता, हिंदुस्तान खण्ड खण्ड में विभाजित होता। रजवाड़ों रियासतों का हिंदुस्तान में विलय करने का श्रेय सरदार पटेल को ही जाता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम आजादी का मतलब समझे और राष्ट्र की एकता अखण्डता की रक्षा का संकल्प लें। मुख्य वक्ता डॉ आनन्द कुमार (पूर्व आई पी एस) ने कहा कि सरदार पटेल गंभीर चिन्तक, बहुआयामी, आदर्शवादी व व्यवहारिक व्यक्तित्व के धनी थे। राष्ट्र के प्रति उनका प्रेम अद्वितीय था। वर्ष 1928 में गुजरात में बारडोली सत्याग्रह हुआ जिसका नेतृत्व वल्लभ भाई पटेल ने किया। उस समय प्रांतीय सरकार किसानों से भारी लगान वसूल रही थी। सरकार ने लगान में 30 फीसदी वृद्धि कर दी थी। जिसके चलते किसान बेहद परेशान थे। वल्लभ भाई पटेल ने सरकार की मनमानी का कड़ा विरोध किया। बारडोली सत्याग्रह की सफलता के बाद वहां की महिलाओं ने वल्लभ भाई पटेल को शरदार की उपाधि दी। अगर आजादी के बाद नेहरू की जगह प्रधानमंत्री सरदार पटेल बनते तो आज कश्मीर व अलगाववाद की समस्या नहीं होती। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय कवि प्रो. सारस्वत मोहन मनीषी ने कहा कि सरदार पटेल के विचार से व्यक्ति की अधिक अच्छाई उसके मार्ग में बाधक है, इसलिए अपनी आंखों को क्रोध से लाल होने दीजिए और अन्याय का सामना मजबूत हाथों से कीजिए। निडर होकर अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने में सर्वदा आगे रहना चाहिए। साथ ही उन्होंने प्लाज मेरे देश को फिर से पटेल चाहिए कविता के माध्यम से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने पटेल की जगह नेहरू को प्रधानमंत्री बनवा कर अनर्थ किया। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि भारत के राजनीतिक एकीकरण में लौहपुरुष, भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता ने प्रभु श्री राम के आदर्श जीवन चरित्र को लिपिबद्ध कर सम्पूर्ण सृष्टि को रामायण का अनुपम उपहार देने वाले आदि कवि महर्षि वाल्मीकि जयंती पर आशु कवि विजय गुप्त व मित्र संगम पत्रिका के संपादक प्रेम वोहरा के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। युवा गायिका दीप्ति सपरा, संध्या पांडेय, मदन लाल गुप्ता, रविन्द्र गुप्ता, प्रतिभा सपरा, विमला आहूजा आदि ने गीतों के माध्यम से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रमुख रूप से आनन्द प्रकाश आर्य, देवेन्द्र गुप्ता, डॉ अनुराधा आनन्द, मधु खेड़ा, सुरेश आर्य, आचार्य जीवन प्रकाश शास्त्री, यज्ञवीर चौहान, वेदप्रकाश आर्य, सुरेन्द्र शास्त्री, राजश्री यादव, नरेश प्रसाद आदि उपस्थित थे।



त्वचा रोगों पर गोष्ठी व वीर बंदा वैरागी की जयंती मनाई

प्राकृतिक उपायों से त्वचा व बालों को स्वस्थ रखा जा सकता है –डॉ एंजी खुराना (सिरसा)
वीर बंदा वैरागी के पराक्रम को अपनाने की आवश्यकता है –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

मंगलवार 27 अक्टूबर 2020, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में त्वचा रोगों पर व वीर बंदा वैरागी की जयंती पर गोष्ठी का आयोजन गूगल मीट पर किया गया। यह कोरोना काल में परिषद का 110 वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता डॉ एंजी खुराना (सिरसा) ने कहा कि ऐसे विकार या संक्रमण जो मानव त्वचा को प्रभावित करते हैं, उन्हें चर्म रोग कहा जाता है। त्वचा से एक व्यक्ति के आंतरिक स्वास्थ्य का पता चलता है। चर्म रोग के लक्षणों और गंभीरता में काफी भिन्नताएं हैं। कुछ त्वचा विकारों की स्थिति बेहद ही सुक्ष्म होती है, और कुछ जीवन के लिए खतरनाक हो सकते हैं। एलर्जी होने पर एलोवेरा जेल या कच्चे आम को पका कर उसके गूदे का लेप लगाने से काफी राहत मिलती है। इस प्राकृतिक उपाय से स्किन एलर्जी दूर करने की ताकत है। शरीर में पानी की मात्रा को बढ़ाएं। पानी आपके शरीर को ही नहीं, बल्कि आपकी त्वचा को भी हाइड्रेट रखता है। बालों के लिए हफ्ते में 3 बार बालों को अवश्य धोएं साथ ही ऑवला, निम्बू आदि विटामिन सी का सेवन अवश्य करें।



केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि वीर बन्दा वैरागी का जन्म 27 अक्टूबर 1670 को ग्राम तच्छल किला, पुंछ में श्री रामदेव के घर में हुआ। उनका बचपन का नाम लक्ष्मणदास था। गुरु गोविन्दसिंह ने उसे बन्दा बहादुर नाम दिया। उन्होंने सबसे पहले श्री गुरु तेगबहादुर जी का शीश काटने वाले जल्लाद जलालुद्दीन का सिर काटा। फिर सरहिन्द के नवाब वजीरखान का वध किया। जिन हिन्दू राजाओं ने मुगलों का साथ दिया था, बन्दा बहादुर ने उन्हें भी नहीं छोड़ा। इससे चारों ओर उनके नाम की धूम मच गयी। उनके पराक्रम से मुगलों में भय था। गर्म चिमटों से वीर बन्दा वैरागी का माँस नोचा जाता रहा। बन्दा वैरागी जैसे महान वीरों ने हमारे धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान कर दिया। खेद जनक बात यह है कि उनके महान जीवन से आज की युवा पीढ़ी अनभिज्ञ है। आज आवश्यकता है कि भारत का बच्चा बच्चा बन्दा वैरागी के महान जीवन से प्रेरणा ले सके। आज फिर हिन्दुओं को वीर बन्दा वैरागी को आदर्श बनाकर प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए शिक्षा विद मदालसा खुराना ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं प्रदान की। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि योग व प्राणायाम के माध्यम से चर्म रोगों व बालों की समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है। प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता ने कहा कि वीर बन्दा वैरागी का बलिदान पुकार पुकार कर हिन्दुओं को एक बार फिर से संघर्ष के लिए तैयार रहने का संदेश दे रहा है। महान क्रांतिकारी जतिन्द्रनाथ दास के जयंती पर भी उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। युवा गायिका संध्या पांडेय, ईश्वर देवी, रविन्द्र गुप्ता, मदन लाल गुप्ता, चन्द्रकान्ता आर्या, लाज वन्ती गिरधर, संतोष तनेजा, मधु बेदी, उर्मिला आर्या आदि ने गीतों के माध्यम से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रमुख रूप से आनन्द प्रकाश आर्य, देवेन्द्र गुप्ता, डॉ कल्पना रस्तोगी, यशोवीर आर्य, डॉ आशीष खुराना, नरेश प्रसाद आदि उपस्थित थे।

137 वें महर्षि दयानन्द बलिदान दिवस पर विचार गोष्ठी सम्पन्न

महर्षि दयानन्द का बलिदान सदियों तक प्रेरणा देता रहेगा –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

शुक्रवार 30 अक्टूबर 2020, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में आर्य समाज के संस्थापक, महान समाज सुधारक महर्षि दयानन्द सरस्वती के 137 वे बलिदान दिवस पर आर्य गोष्ठी का आयोजन गूगल मीट पर किया गया। उल्लेखनीय है कि 30 अक्टूबर 1883 को स्वामी दयानन्द जी का अजमेर में बलिदान हुआ था। यह कोरोना काल में परिषद का 111वां वेबिनार था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि महर्षि दयानन्द का बलिदान सदियों तक समाज का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। महर्षि दयानन्द महान क्रांतिकारी थे, उन्होंने हजारों लोगों के जीवन को प्रकाशित किया। वे एक मात्र ऐसे व्यक्ति थे जिन्हें जीवन में 17 बार जहर पीना पड़ा। उन्होंने कहा था कि कोई कितना भी करे परंतु स्वदेशी राज सर्वोत्तम होता है। उन्होंने एक वैचारिक क्रांति को जन्म दिया जिसने लोगों के सोचने की दिशा ही बदल डाली। स्वामी जी की प्रेरणा से हजारों नोजवान आजादी की लड़ाई में कूद पड़े, कांग्रेस के



इतिहासकार पट्टाभि सीतारमैया ने भी लिखा कि देश की आजादी में 80: योगदान आर्य समाजियों का रहा। आज फिर स्वामी जी से प्रेरणा लेकर कुरीतियों व रूढ़ियों के विरुद्ध शंखनाद करने की आवश्यकता है। मुख्य वक्ता डॉ. करुणा चांदना ने कहा कि महर्षि दयानन्द ने सत्यार्थ प्रकाश में शुद्ध आहार— व्यवहार का उल्लेख किया है और आज का विज्ञान भी मानता है कि उचित पौष्टिक आहार खाने से हम मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहते हैं और बीमारियों से भी दूर रहने में इससे सहायता मिलती है। अच्छा पोषण शरीर के सभी अंगों को हमेशा ठीक प्रकार से काम करने में सहायता प्रदान करता है। सभी दैनिक कार्यों को उचित तरीके से करने के लिए पौष्टिक आहार एक ईंधन के रूप में काम आता है। महर्षि दयानन्द सरस्वती के विचार आज भी प्रसिंगिग हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आर्य नेत्री पुष्पा शास्त्री ने कहा कि नारी जाति जो आज समाज निर्माण में अपना योगदान दे रही है उसके प्रणेता महर्षि दयानन्द सरस्वती ही हैं। वे नारी जाति के प्रबल समर्थक थे। नारियों के सम्मान हेतु अनेक समाज सुधार कार्यों को उन्होंने आगे बढ़ाया। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने हरियाणा के बल्लभगढ़ में निकिता तोमर के हत्यारों को अविलम्ब फांसी देने की मांग की व महिला व छात्राओं के स्कूल कालेजों के आसपास पुलिस सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की। प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता ने कहा कि महर्षि दयानन्द ने वैचारिक क्रांति के जन्मदाता थे। उन्होंने अपने विचारों से सभी को सत्य असत्य का निर्णय करने की शक्ति प्रदान की। आचार्य महेन्द्र भाई, रमा चावला, सुरेन्द्र शास्त्री, ओम सपरा ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये। युवा गायिका कमलेश चांदना, आशा आर्या, बिंदु मदान, रवीन्द्र गुप्ता, प्रतिभा सपरा, नरेश खन्ना, डॉ अनुराधा आनन्द, सुषमा बुद्धिराजा, नरेन्द्र आर्य सुमन, सविता आर्या, डॉ रचना चावला आदि ने गीतों के माध्यम से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रमुख रूप से आनन्द प्रकाश आर्य, देवेन्द्र गुप्ता, डॉ कल्पना रस्तोगी, अनिल आहूजा, रमेश गाड़ी, राजेश मेहंदीरता, कविता रानी, राजश्री यादव, नरेश प्रसाद, सुदेश वीर आर्य आदि उपस्थित थे।

कोरोना काल में 107 आर्य वेबिनार सम्पन्न

उपनिषदों में मानव जीवन की दिव्यता —आचार्य चंद्रशेखर शर्मा (ग्वालियर)

देश की आजादी में आजाद हिंद फौज की महत्वपूर्ण भूमिका —राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

बुधवार 21 अक्टूबर 2020, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में कोरोना काल में 107 वेबिनार आयोजित किया गया। जिसमें उपनिषदों में मानव जीवन का महत्त्व और आजाद हिंद फौज की स्थापना दिवस पर चर्चा हुई। वैदिक विद्वान् एवं सुप्रसिद्ध प्रवक्ता आचार्य चंद्रशेखर शर्मा (ग्वालियर) ने कहा कि भारतीय आध्यात्मिक ज्ञान—विज्ञान परम्परा में उपनिषद् सर्वाधिक और सर्वप्रिय सर्वजनस्तुत्य महान साहित्य है। चारों वेदों के आध्यात्मिक ज्ञान का विस्तृत विवेचन उपनिषद् साहित्य में समुपलब्ध होता है। चारों वेदों के भिन्न-भिन्न उपनिषद् हैं। आदि शंकराचार्य ने ग्यारह उपनिषदों पर अपना भाष्य किया। महर्षि दयानन्द सरस्वती ने ग्यारह उपनिषदों की प्रामाणिकता को स्वीकार किया है। भारतीय विद्वानों और विदेशी मनीषी चिन्तकों ने संस्कृत, हिंदी, भारतीय प्रांतीय भाषाओं, अंग्रेजी, फारसी और जर्मन आदि भाषाओं में व्यापक लेखन एवं शोधकार्य किया है। उपनिषद् का अर्थ है—जब जिज्ञासा साधक महान ब्रह्मनिष्ठ, ब्रह्मज्ञानी, सद् गुरु की शरण में बैठकर अपनी शंकाओं का समाधान और जिज्ञासा की निवृत्तिकर आत्मबोध के मार्ग पर निरंतर अग्रसर होता है। कठोपनिषद् उपनिषद्—प्रेमियों का कण्ठहार है। यह कृष्ण यजुर्वेद की कठ शाखा के अन्तर्गत है। इसमें दो अध्याय हैं तथा प्रत्येक अध्याय में तीन वल्ली हैं। इस उपनिषद में नचिकेता और यम का संवाद है, जिसमें यम ने परमात्म—तत्त्व का रोचक एवं विशद वर्णन किया है। यह उपनिषद आत्म—विषयक आख्यायिका से आरम्भ होती है। प्रमुख रूप से यम नचिकेता के प्रश्न प्रतिप्रश्न के रूप में है। आचार्य यम ने उत्तिष्ठ जाग्रत प्राप्य वरान् निबोधत का उपदेश देते हुए कहा कि उठो, जागो और श्रेष्ठजनों की संगति से ज्ञान प्राप्त करो। आचार्य ने मानवजीवन की दिव्यता का वर्णन करते हुए कहा कि इस जीवन में ज्ञानात्मा, महानात्मा और शान्तात्मा बनो। अपने जीवन में हंस, वसु, होता और अतिथि बनो। आचार्य चन्द्रशेखर शर्मा ने इन सभी शब्दों की मनोहारी व्याख्या सरल एवं सरस भावों के साथ प्रस्तुत की। अपने इसी मानवजीवन में अपनी पाँचों कर्मेन्द्रियों, पाँचों ज्ञानेन्द्रियों, मन, बुद्धि, चित्त, हृदय, प्राण और आत्मा की दिव्यता, शक्ति, सामर्थ्य, कार्य और तेज का चिंतन करते हुए आत्मोन्नति करनी चाहिए। आचार्य चन्द्रशेखर शर्मा ने कहा कि अपने गृह और शरीर में भी अतिथि भाव से निवास करो। यही आसक्ति से निरासक्ति, बंधन से मुक्ति दक्षिणायन से उत्तरायण, प्रेय से श्रेय, भोग से योग, पितृयान से देवयान की महान यात्रा है। आचार्य जी के प्रवचन को सुनकर समस्त श्रोतागण भाव—विभोर और मन्त्रमुग्ध हो रहे थे। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि 21 अक्टूबर 1943 को सिंगापुर में नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज के सर्वोच्च सेनापति के रूप में स्वतंत्र भारत की अस्थायी सरकार बनाई थी। सुभाष चंद्र बोस आजाद हिंद सरकार के पहले प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री और रक्षा मंत्री भी थे। देश की आजादी में नेताजी सुभाषचंद्र बोस का योगदान अविस्मरणीय रहा लेकिन इतिहास ने उनके साथ न्याय नहीं किया ये देश का दुर्भाग्य है। यदि अंग्रेजों पर आजाद हिंद फौज का दबाव न होता तो अंग्रेज जाने वाले नहीं थे। उनका मानना था कि सशस्त्र संघर्ष द्वारा ही अंग्रेजों को भगाया जा सकता है। साथ ही क्रांतिकारी प. राम प्रसाद बिस्मिल के साथी अशफाक उल्ला खां की 120 वी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उन्हें स्मरण करते हुए कहा गया कि प. राम प्रसाद बिस्मिल और अशफाक उल्ला खां की मित्रता लोगों को प्रेरित करती है। उनके द्वारा किये गए बलिदान को देश सदैव याद रखेगा और प्रेरणा प्रदान करता रहेगा। प्रांतीय महामंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि प. राम प्रसाद बिस्मिल की तरह अशफाक उल्ला खां भी बहुत अच्छे शायर थे। इन दोनों की शायरी की अगर तुलना की जाये तो रत्ती भर का भी फर्क नजर नहीं आता था। बिस्मिल भी अशफाक की शायरी के दीवाने थे। प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता ने कहा कि क्रांतिकारियों का जीवन प्रेरणास्रोत है देश के युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। युवा गायिका दीप्ती सपरा, वीना वोहरा, नरेंद्र आर्य सुमन, कमलेश चांदना, पुष्पा शास्त्री, उर्मिला आर्या, इंद्रा वत्स, संतोष आर्या, प्रतिभा सपरा आदि ने मधुर गीत सुनाये। आचार्य अखिलेश्वर जी (आनन्द धाम, हरिद्वार) ने कार्यक्रम की सफलता पर शुभकामनाएं दीं। परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री महेंद्र भाई ने आभार व्यक्त किया। प्रमुख रूप से आनन्द प्रकाश आर्य (हापुड़), देवेन्द्र गुप्ता (इंदिरापुरम), यजवीर चौहान, राजेश मेंहदीरता, ओम सपरा, राजश्री यादव, डॉ रचना चावला, डॉ सुषमा आर्या, देवेन्द्र भगत आदि उपस्थित थे।



वैदिक मिशनरी पं. सत्यपाल पथिक की श्रद्धांजलि सभा सम्पन्न

आर्य प्रचारक पं. सत्यपाल पथिक बेमिसाल थे —राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

शुक्रवार 23 अक्टूबर 2020, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में आर्य भजनोपदेशक, लेखक, कवि प. सत्यपाल पथिक की श्रद्धांजलि सभा गूगल मीट पर आयोजित की गई। यह कोरोना काल में परिषद का 108 वां वेबिनार था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि प. सत्यपाल पथिक आर्य समाज के बेमिसाल गायक थे, उन्होंने सारी आयु महर्षि दयानंद, यज्ञ व वेद पर ही गीत लिखे और गाये। उनका पूरा जीवन महर्षि दयानंद के प्रति समर्पित रहा। पथिक जी ने हजारों भजन व गीत लिखे और देश व विदेश में उनके लिखे गीत बड़े चाव से गाये जाते हैं उसके बिना कोई कार्यक्रम पूरा नहीं होता। योगगुरु स्वामी रामदेव जी ने भी कहा कि मैं बचपन से ही पथिक जी लिखे ही गीत गाता आ रहा हूँ। उल्लेखनीय है कि पथिक जी का गत 21 अक्टूबर 2020 को कोरोना से अमृतसर में निधन हो गया था, वह 84 वर्ष के थे उनका जन्म 13 मार्च 1938 को सरगोधा, पाकिस्तान में हुआ था। मुख्य अतिथि कैप्टन अशोक गुलाटी (उपप्रधान आर्य समाज नोएडा) ने कहा कि पं. सत्यपाल पथिक की कमी आर्य समाज में कभी पूरी नहीं हो सकती। उन्होंने जीवन भर ऋषि दयानंद, आर्य समाज तथा सच्ची ईश्वर भक्ति के प्रति लोगों को प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आर्य नेत्री अनिता आनन्द ने कहा कि पथिक जी ने जो आर्य समाज की सेवा की है और अपने मधुर भजनो के द्वारा ईश्वर का एवं ऋषि का गुण गाण किया है वह आर्य जगत कभी भुला नहीं पाएगा। प्रांतीय महामंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि पं. सत्यपाल पथिक का जीवन आर्य समाजियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। इन भजनोपदेशकों को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर आर्य समाज के कार्यों को आगे बढ़ाने का कार्य करना चाहिए। प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता ने कहा कि पं. सत्यपाल पथिक के गीत युवाओं में युगों युगों तक ऊर्जा का संचार करते रहेंगे। युवा गायिका दीप्ती सपरा, किरण सहगल, विमलेश बंसल, विजय हंस, संध्या पाण्डेय, कविता आर्या, सुरेश हसीजा, कमलेश चांदना, रविन्द्र गुप्ता, प्रवीन चावला, उषा मलिक, प्रतिभा सपरा, सुशांता अरोड़ा आदि ने पथिक जी द्वारा रचित गीत— भजनों के माध्यम से श्रद्धा सुमन अर्पित किए। परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री महेंद्र भाई, ईश आर्य, ओम सपरा, नरेन्द्र आर्य सुमन, आनन्द प्रकाश आर्य, प्रेम सचदेवा, देवेन्द्र भगत आदि ने भी श्रद्धा सुमन अर्पित किए। प्रमुख रूप से देवेन्द्र गुप्ता, प्रवीन चावला, के एल राणा, संतोष शास्त्री, मधु खेड़ा, वीना वोहरा, यजवीर चौहान, राजेश मेंहदीरता, ओम सपरा, राजश्री यादव, डॉ रचना चावला, डॉ सुषमा आर्या आदि उपस्थित थे।



विजय दशमी की उपादेयता पर गोष्ठी सम्पन्न

स्वयं की बुराइयों को समाप्त करने की प्रतिज्ञा ले —आचार्य संजीव रूप जी (बदायूं)

सामाजिक समरसता के प्रतीक हैं श्री राम —राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

रविवार 25 अक्टूबर 2020, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में विजय दशमी की उपादेयता पर गोष्ठी का आयोजन गूगल मीट पर किया गया। यह कोरोना काल में परिषद का 109 वां वेबिनार था। वैदिक विद्वान आचार्य संजीव रूप जी (बदायूं) ने कहा कि वैदिक काल से ही भारतीय संस्कृति वीरता व शौर्य की उपासक रही है। विजया दशमी केवल एक पर्व ही नहीं अपितु इसे कई बातों का प्रतीक माना जाता है। दशहरं में रावण के दस सिर इन दस पापों के सूचक माने जाते हैं दृ काम, क्रोध, लोभ, मोह, हिंसा, आलस्य, झूठ, अहंकार, मद और चोरी। इन सभी पापों से हम किसी न किसी प्रकार से मुक्ति चाहते हैं। समाज में दिनों—दिन बुराइयों व असमानताएँ भी रावण के पुतले कि तरह बड़ी होती जा रही है। हमें इन पर्वों को सिर्फ परंपरा के रूप में नहीं निभाना चाहिए हमें इन त्योहारों से मिले संकेत और संदेशों को अपने जीवन में भी उतारने का प्रयत्न करना चाहिए। यह अन्याय पर न्याय, असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि यह पर्व हमें संदेश देता है कि “अन्याय और अधर्म का विनाश तो प्रत्येक स्थिति में सुनिश्चित है। फिर चाहे आप दुनिया भर की शक्तियों और प्राप्तियों से संपन्न ही क्यों न हो, अगर आपका आचरण सामाजिक गरिमा या किसी भी व्यक्ति विशेष के प्रति गलत होता है तो आपका विनाश भी तय है। “विजयदशमी न्याय, नैतिकता, सत्यता, शक्ति और विजय का पर्व है। श्री राम का संपूर्ण जीवन हमें आदर्श और मर्यादा की शिक्षा देता है कि हर व्यक्ति के जीवन में सुख—दुख तो आते—जाते रहेंगे क्योंकि यह तो सृष्टि का अटल नियम है। लेकिन हमें अपना जीवन सब परेशानियों के होते हुए भी हिम्मत और आशा के साथ जीना है बल्कि इस जीवन को ईश्वर की देन समझ कर अपने जीवन को सार्थक बनाना है। सच्चे अर्थों में श्री राम सामाजिक समरसता के प्रतीक हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आर्य समाज हापुड़ के संरक्षक आनन्द प्रकाश आर्य ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए विजय दशमी की शुभकामनाएं प्रदान की। प्रांतीय महामंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक दशहरा, विजयदशमी पर्व सिखाता है कैसे आप शक्ति के साथ भी मर्यादित रहें और धर्मनिष्ठ जीवन जियें। प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता ने कहा कि विजयदशमी के इस पावन पर्व पर हम सबको संकल्प लेना होगा कि देश और समाज की प्रगति के लिए हम अपनी सभी बुराइयों को भी रावण के पुतले के साथ सदा—सदा के लिए दहन कर देंगे और समाज व देश कि उन्नति के लिए कार्य करेंगे। युवा गायिका दीप्ती सपरा, वीना वोहरा, डॉ रचना चावला, लाजवन्ती गिरधर, पुष्पा चुध, देवेन्द्र आर्य, सुशांता अरोड़ा, शोभा सेतिया, मधु खेड़ा, प्रेमलता सरिन आदि ने गीतों के माध्यम से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री महेंद्र भाई, ईश आर्य (हिसार), ओम सपरा, राजेश मेंहदीरता ने भी अपने विचार रखे। प्रमुख रूप से देवेन्द्र गुप्ता, प्रकाश वीर शास्त्री, अजू जावा, प्रदीप आर्य, संजय सपरा, पुष्पा शास्त्री, करुणा चांदना नरेश प्रसाद आदि उपस्थित थे।

पारिवारिक सुख शांति का आधार विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

परिवार को सुख-शांति से परिपूर्ण रखना धर्म है —आचार्य पुनीत शास्त्री (मेरठ)

पारिवारिक सुख शांति के लिए क्षमा व सहनशीलता आवश्यक —राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

वीरवार, 15 अक्टूबर 2020, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में पारिवारिक सुख शांति का आधारविषय पर ऑनलाईन गूगल मीट पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में परिषद का 104वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता वैदिक विद्वान आचार्य पुनीत शास्त्री (मेरठ) ने कहा कि परिवार को सुख-शांति से परिपूर्ण रखना जीवन का धर्म है। संवाद, पारिवारिक शांति, खुशियां एवं उल्लास को बढ़ाने का प्रमुख साधन है, किन्तु संवाद में उपयोग में लाई गई भाषा और शैली ही मिठास और कटुता का संचार करती है। परिवार में एक दूसरे के प्रति स्नेह, सद्भाव, प्रेम के साथ संस्कारों का अपना महत्व है। हमें भाषा शैली व सम्मान रखना चाहिए।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा की हमारा आचरण परिवार की सुख-शांति का आधार है। आनंद पाने से अधिक सुख आनंद बांटने में है। घर को स्वर्ग या नरक बनाना हमारे हाथ में है। उन्होंने उल्लास एवं शांति से परिपूर्ण करने मन, वचन और कर्म से परिवार में भाषा, कर्म और व्यवहार को विवेक पूर्ण प्रयोग करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि गलतियों पर क्षमा करना व सहनशील रहना पारिवारिक सुख शांति के लिए आवश्यक है। कार्यक्रम के अध्यक्ष राजेश सेठी (प्रधान, आर्य समाज थापर नगर, मेरठ) ने अपनी शुभकामनाएं प्रदान की। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा की परिवार समाज की एक इकाई है। परिवारों से मिलकर ही समाज का निर्माण होता है। अगर परिवार के सभी सदस्य स्वस्थ व खुशहाल होंगे, तो समाज भी खुशहाल होगा। प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता ने कहा कि पारिवारिक सुख और शांति के लिए परिवार के सदस्यों के मध्य आपसी स्नेह, विश्वास और सम्मान आवश्यक है। पूर्व

मेट्रो पोलटॉन मैजिस्ट्रेट ओम सपरा ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये व आर्य संन्यासी व मिलाप अखबार के संस्थापक महात्मा आनन्द स्वामी जी की जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। युवा गायिका दीप्ति सपरा, सुषमा बुद्धिराजा, उर्मिला आर्या (गुरुग्राम), संध्या पाण्डेय, कमलेश चांदना, लाजवंती गिरधर, वीना वोहरा, सुनीता बुग्गा, द्रोपदी तनेजा, ईश्वर आर्या (अलवर), संतोष आर्या (राजपुरा, पंजाब), रविन्द्र गुप्ता (फरीदाबाद), वीना वोहरा, पुष्पा शास्त्री आदि ने गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य रूप से आचार्य महेन्द्र भाई, संतोष शास्त्री, आनंदप्रकाश आर्य, देवेन्द्र गुप्ता, डॉ रचना चावला, नरेश प्रसाद, प्रकाशवीर शास्त्री, देवेन्द्र भगत, राजेश मेंहदीरता आदि उपस्थित थे।



कोरोना काल में 106 वां वेबिनार सम्पन्न

सन्तुलित आहार अच्छे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक —डॉ सुनीता आत्रेय (फोर्टिस अस्पताल नई दिल्ली)

हम अपने संकल्प व आदतों से स्वस्थ रहें —राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

सोमवार, 19 अक्टूबर 2020, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में कोरोना काल में 106 वां वेबिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रोहिणी जोन के एम सी डी चौयरमैन आलोक शर्मा ने की। विषय था प्चचित आहार से कैसे स्वस्थ रहे? 6

डायटिशियन डॉ सुनीता आत्रेय (फोर्टिस अस्पताल नई दिल्ली) ने उचित आहार सुख का आधार पर उदबोधन दिया। उन्होंने कहा कि सुबह उठ कर दो गिलास गर्म पानी पीना चाहिये, इससे दिन की शुरुआत ठीक रहेगी, यदि आपका पेट ठीक है तो सब ठीक है। कब्ज सब बीमारियों की जड़ है। चाय का सेवन बहुत कम करना चाहिए। भूख के अनुसार ही खाना चाहिए कि शरीर उसे पचा सके। पानी का सेवन नियमित आवश्यकता अनुसार करना चाहिए, साथ ही रात्रि का भोजन सोने से दो घंटे पहले कर लेना चाहिए क्योंकि शरीर रात्रि को मरम्मत का कार्य करता है भोजन देर से करने पर उसकी शक्ति भोजन पचाने में लगी रहती है और मरम्मत का कार्य नहीं हो पाता जिससे मोटापा व अन्य रोग जन्म लेने लगते हैं। योग, उचित व समय पर पौष्टिक आहार लेने से स्वस्थ रहा जा सकता है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि स्वस्थ रहने का स्वयं का संकल्प ही सुख का आधार है यदि हमारा संकल्प ही कमजोर होगा तो सभी उपदेश बेकार है। हमें स्वस्थ रहने के लिए छोटी छोटी आदतों में सुधार करना होगा साथ ही उचित व संतुलित आहार ही लेने का निश्चय ही स्वस्थ रहने में सहायक बनेगा। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि जितना हम प्रकृति के निकट रहेगे उतना हमारा जीवन सुखमय रहेगा। योगाचार्य सौरभ गुप्ता ने दैनिक योग व व्यायाम को दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संदेश दिया। युवा गायिका दीप्ति सपरा, वीना वोहरा, प्रगति आर्या, नरेंद्र आर्य सुमन, कमलेश चांदना, पुष्पा शास्त्री, उर्मिला आर्या, सुशांता अरोड़ा आदि ने मधुर गीत सुनाये। परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री महेन्द्र भाई ने आभार व्यक्त किया। प्रमुख रूप से आनन्द प्रकाश आर्य (हापुड़), देवेन्द्र गुप्ता (इंदिरापुरम), यजवीर चौहान, राजेश मेंहदीरता, ओम सपरा, राजश्री यादव, डॉ रचना चावला, डॉ सुषमा आर्या, डॉ सुनील रहेजा आदि उपस्थित थे।



फरीदाबाद में आर्य केन्द्रीय सभा का प्रदर्शन



बल्लभगढ़ में छात्रा निकिता तोमर की हत्या के विरोध में व न्याय दिलवाने के लिये आर्य केन्द्रीय सभा फरीदाबाद के प्रधान डा. गजराजसिंह आर्य के नेतृत्व में बल्लभगढ़ मेन बाजार में रैली व विरोध प्रदर्शन किया गया व एस.डी.एम. को मुख्यमन्त्री के नाम ज्ञापन दिया गया —प्रवीण गोयल



लाला हरदयाल जी

मंगलवार, 13 अक्टूबर 2020, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में महान क्रांतिकारी, स्वतंत्रता सेनानी लाला हरदयाल जी की 136वीं जयंती पर ऑनलाईन गूगल मीट पर गोष्ठी का आयोजन कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यह कोरोना काल में परिषद का 103 वां वेबिनार था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि लाला हरदयाल गम्भीर आदर्शवादी, भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के निर्भीक सेनानी, ओजस्वी वक्ता और प्रतिष्ठित लेखक थे। वे हिन्दू धर्म के प्रकाण्ड पंडितों में से एक थे। आज उनकी 136वीं जयंती पर उनके तप त्याग व क्रांतिकारी जोश को शत शत नमन करते हैं।